SA-610(R)
आंतरिक अंकेक्षक के कार्यो का प्रयोग

प्रश्नः 01 आंतरिक अंकेक्षण कार्यविधि से आप क्या समझते हैं ?

उत्तरः ICAI द्वारा नवंबर 2004 में जारी आंतरिक अंकेक्षण मानक, आंतरिक अंकेक्षण को एक स्वतंत्र प्रबंध की कार्यविधि के रूप में वर्णित करता है जिसमें एक उपक्रम की कार्यविधि के लगातार तथा आलोचनात्मक मूल्यांकन शामिल है निम्न के दृष्टिकोण से

1. उनको बढ़ाने की सलाह देना तथा
2.

प्रश्नः 02 इस SA के अंतर्गत बाह्य अंकेक्षक के उद्देश्य क्या हैं ?

उत्तरः चूंकि आंतरिक अंकेक्षण की कार्यविधि के उद्देश्य तथा बाह्य अंकेक्षक अलग–अलग होते है, जबकि कुछ मामले ऐसे होते है जिनमें आंतरिक अंकेक्षण के कार्य तथा बाह्य अंकेक्षक द्वारा प्राप्त किये जाने वाले उद्देश्य क्रमशः समान हो सकते है। बाह्य अंकेक्षक के उद्देश्य जहां उपक्रम के आंतरिक अंकेक्षण कार्य होते है तो बाह्य अंकेक्षक यह सूनिश्चित करता है कि वह अंकेक्षण से संबंधित होते है, वह निर्धारित करता है कि

A. क्या, तथा किस सीमा तक आंतरिक अंकेक्षक के विशिष्ट कार्यो का उपयोग किया जाये तथा
B. यदि ऐसा किया जाता है, तो क्या ऐसा कार्य अंकेक्षण के उद्देश्य के लिये पर्याप्त होगा।

प्रश्नः 03 कैसे निर्धारण किया जाये कि क्या तथा किस सीमा तक आंतरिक अंकेक्षक के कार्यो का उपयोग किया जाना चाहिए?

उत्तरः SA-610(R) के अनुसार बाह्य अंकेक्षक को यह सूनिश्चित कर लेना चाहिए कि –

A. क्या आंतरिक अंकेक्षक के कार्य अंकेक्षण के उद्देश्य हेतु पर्याप्त है।
B. यदि हां तो बाह्य अंकेक्षक की प्रविधियों की प्रकृति समय तथा मात्रा पर आंतरिक अंकेक्षक के कार्यो के नियोजित प्रभाव।

यह सुनिश्चित करने में कि आंतरिक अंकेक्षक के कार्य अंकेक्षण के उद्देश्य हेतु पर्याप्त है बाह्य अंकेक्षक को निम्न का मूल्यांकित कर लेना चाहिए –

A. आंतरिक अंकेक्षण के कार्यो की उद्देश्यपरकता
B. आंतरिक अंकेक्षक की तकनीकी दक्षता
C. क्या आंतरिक अंकेक्षक का कार्य उचित पेशेगत सावधानी से किया गया है
D. क्या आंतरिक अंकेक्षक तथा बाह्य अंकेक्षक के मध्य प्रभावी सम्प्रेषण हुआ है

बाह्य अंकेक्षक की प्रविधियों की प्रकृति, समय तथा मात्रा पर आंतरिक अंकेक्षक के कार्यो का नियोजित प्रभाव सुनिश्चित करते समय बाह्य अंकेक्षक को निम्नलिखित पर ध्यान देना चाहिए।

A. आंतरिक अंकेक्षक द्वारा निष्पादित अथवा निष्पादित किये जाने वाले विशिष्ट कार्य की प्रकृति तथा क्षेत्र
B. लेनदेनों, खाता शेषों तथा अभिव्यक्तियों की विशेष श्रेणी के लिये कथित सीमा पर महत्वपूर्ण मिथ्यावर्णनों की जोखिमका निर्धारण तथा

प्रश्नः 04 आंतरिक अंकेक्षक के विशिष्ट कार्यो का उपयोग कैसे किया जाता है ?

उत्तरः आंतरिक अंकेक्षक के विशिष्ट कार्यो का उपयोग करने के लिये बाह्य अंकेक्षक को उस कार्य की पर्याप्तता को सुनिश्चित करने के लिए अंकेक्षण प्रविधियों का मूल्यांकन तथा निष्पादन करना चाहिए। जो बाह्य अंकेक्षक के उद्देश्यों के लिए आवश्यक है। बाह्य अंकेक्षक के उद्देश्यों के लिए आंतरिक अंकेक्षक द्वारा निष्पादित किये गये विशिष्ट कार्य की पर्याप्तता का निर्धारण करने के लिये अंकेक्षक को यह मूल्यांकित करना चाहिए –

A. आंतरिक अंकेक्षक द्वारा जो कार्य निष्पादित किया गया है तो आंतरिक अंकेक्षक के पास पर्याप्त तकनीकी प्रशिक्षण तथा दक्षता है
B. कार्य का उचित रूप से निरीक्षण पुर्नविचार तथा प्रपत्रीकरण किया गया है

CA Aseem Trivedi

C. पर्याप्त अंकेक्षण साक्ष्य प्राप्त किये गये है जो आंतरिक अंकेक्षक को उचित निष्कर्ष निकालने में सक्षम बनाते है।

D. निकाले गये निष्कर्ष परिस्थितियों के लिये उपयुक्त है तथा आंतरिक अंकेक्षक द्वारा तैयार की गई रिर्पोट निष्पादित किये गये कार्य के परीणामों से संगत (Consistant) है।

E. आंतरिक अंकेक्षक द्वारा प्रकट किये गये किसी अपवाद अथवा असामान्य विषय का उचित उपचार किया गया है।

प्रश्नः 05 प्रपत्रीकरण किसका किया जाये ?

उत्तरः जब एक बाह्य अंकेक्षक आंतरिक अंकेक्षक के विशिष्ट कार्यो का उपयोग करता है तो बाह्य अंकेक्षक को आंतरिक अंकेक्षक के कार्य की पर्याप्तता का मूल्यांकन करने से संबंधित निष्कर्षो को प्रपत्रीकृत कर लेना चाहिए तथा इस SA के अनुसार बाह्य अंकेक्षक द्वारा उस कार्य पर निष्पादित की जाने वाली अंकेक्षण प्रविधियों का प्रपत्रीकरण कर लेना चाहिए।

CA Aseem Trivedi